

निजी कार्पोरेट व्यवसाय क्षेत्र का कार्यनिष्पादन, 2013-14*

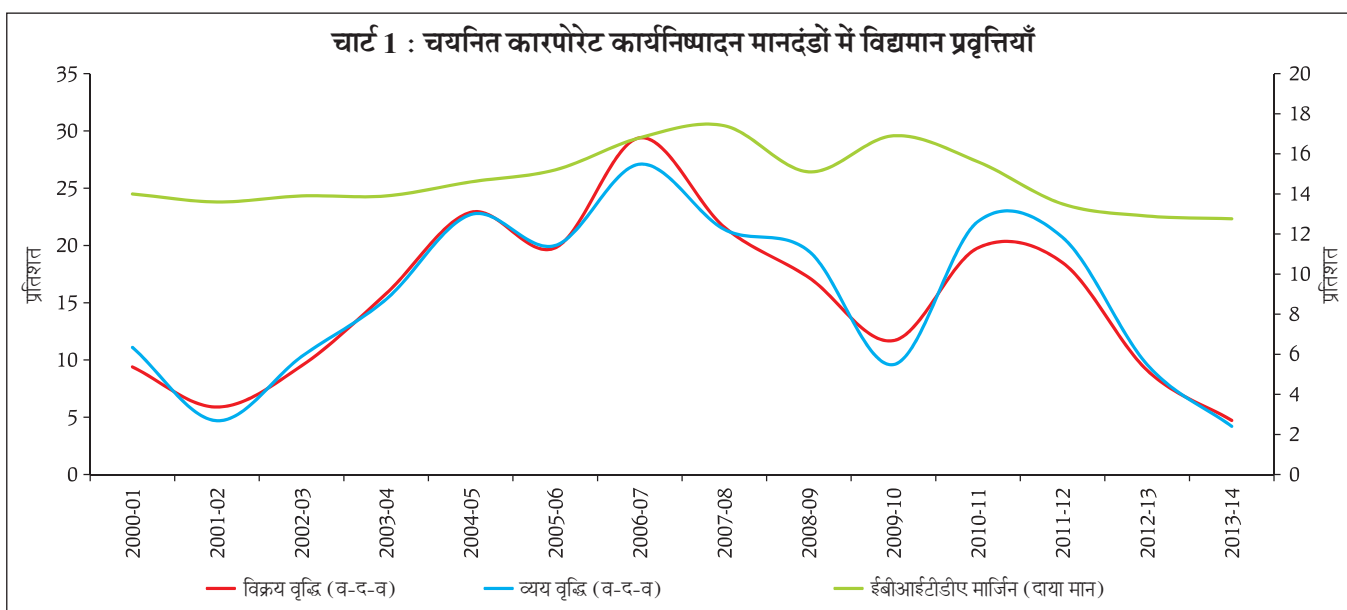
निजी (गैर-वित्तीय) कार्पोरेट व्यवसाय क्षेत्र के विक्रय में वृद्धि 2013-14 के दौरान लगातार तीसरे वर्ष के लिए आगे और नरम हुई जिसका कारण विनिर्माण क्षेत्र और सेवा क्षेत्र (आईटी को छोड़कर) में विक्रय वृद्धि में कमी था। आईटी क्षेत्र पिछले वर्ष की कुछ कमी के बाद विक्रय और निवल लाभ में उच्चतर वृद्धि दर्शाते हुए 2013-14 में बहाल हुआ। विनिर्माण क्षेत्र का निवल लाभ पिछले वर्ष कुछ हद तक बहाल होते हुए 2013-14 में संकुचित रहा। लघु कंपनियों का कार्य-निष्पादन और भी बिगड़ गया जोकि 2013-14 में विक्रय, ईबीआईटीडीए और निवल लाभ के संकुचन से देखा जा सकता है। समग्र विक्रय में लघु कंपनियों का प्रतिशत शेयर छोटा है और यह 2007-08 से निरंतर सिकुड़ रहा है। यह एक चिंता का विषय हो सकता है चूंकि लघु कंपनियां औद्योगिक वृद्धि, नवोन्मेष और रोजगार सृजन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सभी क्षेत्रों (विनिर्माण, आईटी और गैर-आईटी सेवा) में लघु कंपनियों ने 2007-08 से विक्रय अनुपातों के मुकाबले अपने ब्याज खर्च में वृद्धि दर्शाई है। तथापि, विक्रय वृद्धि ने मध्यम आकार की कपड़ा कंपनियों तथा औषध उद्योग जो प्रमुखतः बड़ी कंपनियों द्वारा चालित हैं, में सुधार दर्शाया। छोटे आकार की निर्माण कंपनियों की ईबीआईटीडीए मार्जिन में सुधार

देखा गया। 2,291 समान कंपनियों के त्रैमासिक परिणामों में पिछली आठ तिमाहियों के दौरान विक्रय वृद्धि में समग्र रूप से गिरती हुई प्रवृत्ति दर्शाई गई। तथापि, इसमें वर्ष-दर-वर्ष आधार पर ति4 : 2013-14 में निवल लाभ में वृद्धि दर्शाई गई। ति1 : 2014-15 के लिए सीमित परिणामों से विक्रय वृद्धि और लाभकारिता में सुधार के आसार दिखाई दिए।

इस आलेख में 2,854 सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर वित्तीय (एनजीएनएफ) कंपनियों से संबंधित लाभ और हानि विवरण के आधार पर 2013-14 के दौरान निजी कार्पोरेट व्यावसायिक क्षेत्र के कार्यनिष्पादन का विश्लेषण किया गया है। उपलब्धता के आधार पर अन्य महत्वपूर्ण वित्तीय विवरणों का भी संदर्भ लिया गया है। कुल कार्य निष्पादन का विश्लेषण करने के साथ-साथ इस आलेख में आकार और प्रमुख उद्योग समूहों के अनुसार एक संक्षिप्त विश्लेषण दिया गया है। अपेक्षाकृत अधिक लंबी सीमा के दौरान कंपनी क्षेत्र के विक्रय, व्यय और लाभ मार्जिनों में विकसित हो रही प्रवृत्तियों को भी इसमें ग्रहण किया गया है। विस्तृत डेटा रिजर्व बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है।

1. समग्र विक्रय वृद्धि में कमी रही तथा निवल लाभ संकुचित रहा

1.1 2,854 कंपनियों की विक्रय वृद्धि (वर्षानुवर्ष) लगातार तीसरे वर्ष के लिए 2013-14 में मंद ही रही। 2000-01 से लेकर इस वर्ष



* सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग, भारिबैं, मुंबई के कोर्पोरेट अध्ययन प्रभाग द्वारा तैयार किया गया। पिछला अध्ययन 'निजी कार्पोरेट व्यवसाय क्षेत्र का कार्यनिष्पादन, 2012-13' आरबीआई बुलेटिन के अक्टूबर 2013 के अंक में प्रकाशित किया गया था।

सारणी 1 : सूचीबद्ध गैर-सरकारी वित्तेतर कंपनियों का कार्यानिष्पादन

कंपनियों की संख्या	2013-14		2012-13*
	2,854		2,931
मदें	राशि (बिलियन रुपये)	प्रतिशत में वर्षानुवर्ष संवृद्धि@	प्रतिशत में वर्षानुवर्ष संवृद्धि@
	1	2	3
बिक्री	29,496	4.7	9.1
उत्पादन का मूल्य	29,535	4.0	8.8
व्यय	25,771	4.2	9.6
सीआरएम**	13,897	2.0	9.1
स्टाफ लागत	2,228	11.8	14.6
बिजली और ईंधन	947	1.0	10.3
परिचालन लाभ (ईबीआईटीडीए)	3,764	2.3	3.5
अन्य आय@@	747	15.2	14.9
मूल्यहास	1,029	8.8	9.7
सकल लाभ (ईबीआईटी)	3,482	3.0	3.8
ब्याज	1,091	11.5	17.5
कर पूर्व अर्जन (ईबीटी)	2,391	-0.5	-0.2
कर प्रावधान	618	3.6	5.1
निवल लाभ ^	1,706	-5.1	-2.0
चुकता पूंजी	1,110	3.8	5.5

* : भारतीय रिजर्व बैंक बुलेटिन के अक्टूबर 2013 अंक में प्रकाशित

@ : संवृद्धि दरों की गणना किसी भी अवधि के दौरान कंपनियों के सामान्य समूह के आधार पर की गई

** : सीआरएम : कच्चे माल का उपभोग

@@ : विदेशी मुद्रा अभिलाभ को मिलाकर जबकि विदेशी मुद्रा हानियाँ व्यय में शामिल की गई हैं

^ : परिचालनेतर अधिशेष/कमी के लिए समायोजित

तक विक्रय वृद्धि सबसे कम रही (चार्ट 1)। हालांकि विभिन्न शीर्षों पर व्यय 2012-13 की तुलना में 2013-14 में निम्न दरों में बढ़ा, ब्याज, कर, मूल्यहास और परिशोधन (ईबीआईटीडीए) से पहले अर्जन में वृद्धि भी 2013-14 में कम ही रही (सारणी 1)। 2007-08 से 2013-14 तक विक्रय की तुलना में व्यय के विभिन्न घटकों की प्रवृत्तियों से यह प्रतीत हुआ कि संकलित स्तर पर विक्रय की तुलना में सीआरएम (कच्चा माल की लागत) में 2011-12 तक सतत वृद्धि दर्ज की गई और उसके बाद पिछले दो वर्षों में कुछ हद तक कमी आई। जबकि विक्रय अनुपातों की तुलना में स्टाफ लागत लगातार तीन वर्षों (2009-10 से 2011-12) के लिए स्थिर रहते हुए हाल के दो वर्षों में बढ़ी है (सारणी 6)। ईबीआईटी मार्जिन 2012-13 और 2013-14 में स्थिर रही हालांकि वह 2007-08 की तुलना में निम्नतर रही (सारणी 2)।

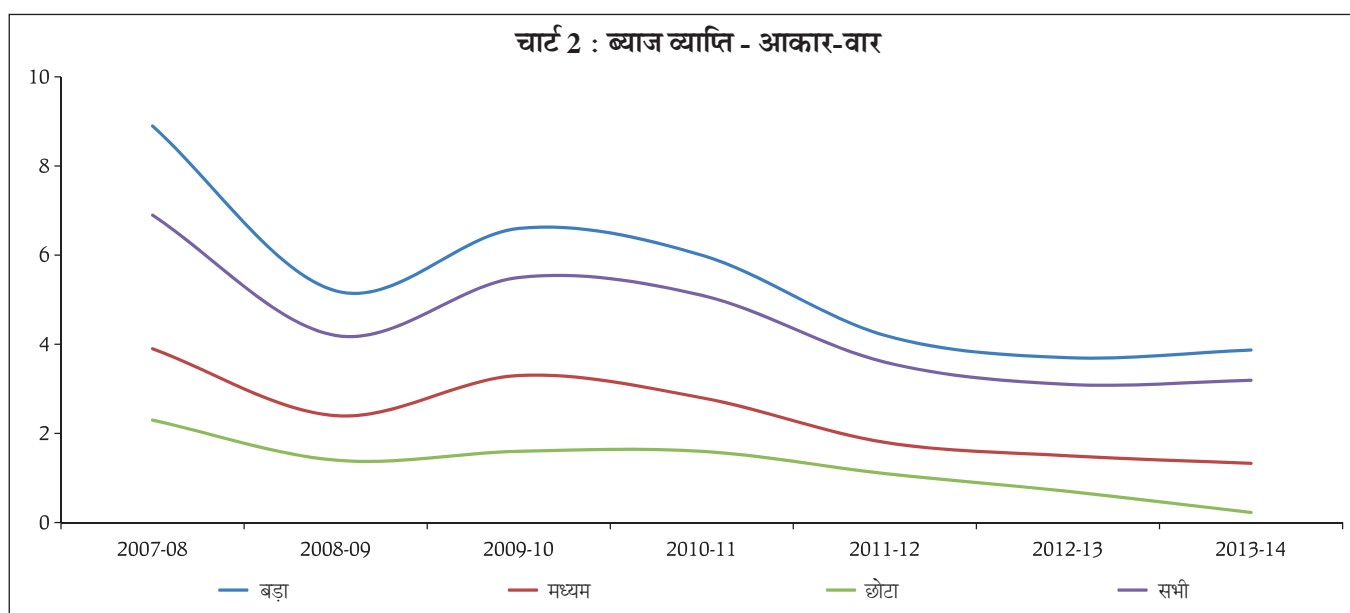
सारणी 2 : महत्वपूर्ण कार्यानिष्पादन मानदंड

अवधि	कंपनियों की संख्या	बिक्री में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	व्यय में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	निवल लाभ में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत)	निवल लाभ मार्जिन (प्रतिशत)
	1	2	3	4	5	6	7
2007-08	3,238	21.6	21.4	25.0	27.2	17.4	11.0
2008-09	2,549	17.2	19.5	-1.0	-18.4	15.1	8.1
2009-10	2,629	11.7	9.6	26.6	28.8	16.9	9.4
2010-11	2,763	19.8	22.1	12.4	15.8	15.6	9.0
2011-12	2,679	18.5	20.7	1.7	-16.8	13.5	6.4
2012-13	2,931	9.1	9.6	3.5	-2.0	12.9	5.9
2013-14	2,854	4.7	4.2	2.3	-5.1	12.8	5.8

1.2 पिछले वर्ष की तुलना में 2013-14 में 'मूलेतर' आय वृद्धि उसी स्तर पर रहते हुए ब्याज और आय (ईबीआईटी) वृद्धि के पहले अर्जन मंद रहा। सूचीबद्ध एनजीएनएफ कंपनियों का निवल लाभ 2013-14 में लगातार तीसरे वर्ष के लिए संकुचित रहा। इसके फलस्वरूप, निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र की निवल लाभ मार्जिन में पिछले तीन वर्षों के दौरान गिरावट दर्ज की गई। यह उस अवधि के दौरान व्यय वृद्धि में नरमी के कारण हुआ।

2. छोटी कंपनियों का कार्य-निष्पादन और बिगड़ गया

2.1 निजी कंपनी क्षेत्र की आकार-वार तुलना से यह प्रतीत होता है कि छोटी कंपनियों (रु.1 बिलियन से कम बिक्री वाली) 2013-14 में बहुत अधिक असफल रहीं। 2008-09 से स्थापित प्रवृत्ति के बाद बिक्री में तेज संकुचन दर्ज किया गया। इससे ईबीआईटीडीए वृद्धि पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ा। बड़ी कंपनियों (रु.10 मिलियन से अधिक बिक्री) ने उच्चतर ईबीआईटीडीए वृद्धि दर्ज की जबकि बिक्री वृद्धि में कमी आई। मध्यम कंपनियों (रु.1 बिलियन से रु.10 बिलियन के बीच बिक्री) ने भी निम्नतर बिक्री वृद्धि तथा लाभ में संकुचन दर्ज किया। छोटी और मध्यम कंपनियों के लिए निवल लाभ मार्जिन 2009-10 से घट रही है। छोटी और मध्यम कंपनियों के लिए निवल लाभ मार्जिन 2009-10 से घट रही है। छोटी और मध्यम कंपनियों ने पिछले वर्ष के स्तर पर दोनों मार्जिन दर्शाई। 2007-08 से सभी आकारों में ब्याज कवरेज अनुपात (ईबीआईटी/ब्याज व्यय) में स्थिर कमी दिखाई दी।



2013-14 में चिंताजनक कम ब्याज कवरेज अनुपात (चार्ट 2) से यह विदित है कि छोटी कंपनियां उनके ऋण सेवा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

2.2 छोटी कंपनियों की बिक्री सूचीबद्ध गैर वित्तीय निजी कंपनियों की कुल बिक्री के प्रतिशत के रूप में कम बनी हुई है। यहां तक कि 2013-14 में अल्प 1.3 प्रतिशत पर बन रहने के लिए आगे के वर्षों में शेयर में और गिरावट दर्ज की गई (सारणी 3)। तथापि, संख्या के अनुसार यह अब भी सबसे बड़ा समूह माना जाता है। समय के साथ

बड़ी कंपनियों की बिक्री के शेयर की संख्या में सुधार आया है और तदनुसार कुल बिक्री वृद्धि पर वर्चस्व रहा है। पिछले दो वर्षों में केवल बड़े आकार वाली कंपनियों ने सकारात्मक निवल लाभ मार्जिन बनाई रखी है जबकि छोटे और मध्यम आकार वाली कंपनियां घाटे में चल रही हैं। छोटी कंपनियों का गिरता भविष्य चिंता की बात है क्योंकि उन्हें आर्थिक वृद्धि तथा रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होती है।

3. आईटी क्षेत्र ने सुधार दर्शाया

3.1 विनिर्माण क्षेत्र ने बिक्री वृद्धि में नरमी दर्शाई है। सेवा क्षेत्र (आईटी को छोड़कर) ने पिछले सात वर्षों में सबसे कम बिक्री वृद्धि दर्ज की। दूसरी ओर, आईटी क्षेत्र ने 2013-14 में बिक्री और ईबीआईटीडीए वृद्धि में बढ़ोत्तरी दर्ज करते हुए समग्रतः बेहतर कार्य निष्पादन दर्शाया है। उसने 2013-14 में निवल लाभ वृद्धि में काफी बढ़ोत्तरी दर्ज की (सारणी 5)। विनिर्माण और गैर-आईटी सेवा क्षेत्रों के लिए ईबीआईटीडीए मार्जिन कम रही। तथापि, विभिन्न क्षेत्रों में छोटी कंपनियों के जैसे छोटी आईटी कंपनियों ने संकुचित बिक्री दर्ज की। साथ ही साथ, छोटी आईटी कंपनियों को परिचालन स्तर पर ही घाटे का सामना करना पड़ा (ईबीआईटीडीए नकारात्मक)।

सारणी 3 : आकार वर्ग-वार बिक्री में प्रतिशत तथा कंपनियों को संख्या में प्रतिशत शेयर

अवधि	बड़ा		मध्यम		छोटा	
	कंपनियों की संख्या	प्रतिशत में बिक्री	कंपनियों की संख्या	प्रतिशत में बिक्री	कंपनियों की संख्या	प्रतिशत में बिक्री
	1	2	3	4	5	6
2007-08	363	74.5	1,091	22.2	1,784	3.2
2008-09	268	76.8	933	20.7	1,348	2.5
2009-10	323	79.1	973	18.8	1,333	2.2
2010-11	401	81.7	1,049	16.6	1,313	1.7
2011-12	414	84	998	14.6	1,267	1.4
2012-13	462	85.3	1,079	13.3	1,390	1.3
2013-14	474	86.3	1,001	12.4	1,379	1.3

सारणी 4 : आकार वर्ग-वार कार्यनिष्पादन मानदंड

क्षेत्र-वार अवधि	बड़ा					मध्यम					छोटा				
	बिक्री में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	निवल लाभ में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत)	निवल लाभ मार्जिन (प्रतिशत)	बिक्री में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	निवल लाभ में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत)	निवल लाभ मार्जिन (प्रतिशत)	बिक्री में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	निवल लाभ में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत)	निवल लाभ मार्जिन (प्रतिशत)
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
2007-08	21.7	23.5	26.1	18.5	12.1	22.9	32.5	37.6	14.8	8.4	11.4	16.9	-6.8	10.1	5.4
2008-09	20.3	1.6	-12.5	16.2	9.3	10.2	-7.9	-40.6	11.9	4.3	-7.8	-40.2	-84.1	8.4	1.4
2009-10	13.0	27.1	26.4	17.6	10.2	9.6	25.0	45.7	14.7	6.5	-8.8	12.4	42.7	9.2	3.5
2010-11	20.6	13.3	18.1	16.2	9.8	19.1	7.5	4.1	13.2	5.6	-4.4	2.2	-70.4	8.7	1.1
2011-12	20.8	3.7	-15.0	14.0	7.0	9.5	-9.5	-34.6	11.1	3.4	-9.2	-23.6	125.7	6.3	1.2
2012-13	10.7	4.0	3.2	13.3	6.8	1.5	0.7	-62.1	10.5	1.3	-9.3	-14.4	\$	5.4	-4.7
2013-14	6.0	5.2	0.2	13.4	6.8	1.0	-15.1	-77.3	9.6	0.6	-26.3	-58.2	\$	3.2	-11.9

बिक्री छोटी कंपनियों के लिए 1 बिलियन रुपये से कम; मध्यम कंपनियों के लिए 1 बिलियन रुपये से 10 बिलियन रुपये के बीच तथा बड़ी कंपनियों के लिए 10 बिलियन रुपये से अधिक।
\$: अंश / हर शून्य/नगण्य।

3.2 2013-14 के दौरान विनिर्माण क्षेत्र के लिए बिक्री अनुपात का सीआरएम पूर्ण रूप से कम रहा जबकि स्टाफ लागत में बढ़ोत्तरी हुई। सेवा क्षेत्रों (आईटी और गैर-आईटी) के लिए बिक्री अनुपात की तुलना में सीआरएम एक अवधि के बाद कम हुआ जबकि बिक्री की तुलना में स्टाफ लागत तेजी से बढ़ी है। विभिन्न क्षेत्रों और आकार समूहों में यह पाया गया है कि छोटी कंपनियों के लिए बिक्री अनुपात की तुलना में स्टाफ लागत (सारणी 6) अधिक है। यह छोटी कंपनियों के बीच उत्पादन घटक के रूप में श्रम के महत्व की ओर संकेत करता है। आईटी कंपनियों के लिए आकार पर ध्यान दिए बिना बिक्री अनुपात

की तुलना में स्टाफ लागत भी अधिक है। संकलित स्तर पर बिक्री अनुपात की तुलना में ब्याज बीच-बीच में उतार-चढ़ाव के साथ 2007-08 में 2.3 प्रतिशत से बढ़कर 2013-14 में 3.7 प्रतिशत रहा।

4. उद्योगों में बिक्री नरम हुई, परंतु तुलनात्मक रूप से बेहतर कार्य निष्पादन वाले उद्योगों में भी छोटी कंपनियों ने क्षति उठाई

4.1 औषध उद्योग को छोड़कर अधिकांश उद्योगों ने 2012-13 की तुलना में 2013-14 में निम्नतर बिक्री वृद्धि और निम्नतर लाभ (ईबीआईटीडीए) मार्जिनों की सामान्य प्रवृत्ति का अनुसरण किया।

सारणी 5: क्षेत्र-वार महत्वपूर्ण कार्यनिष्पादन मानदंड

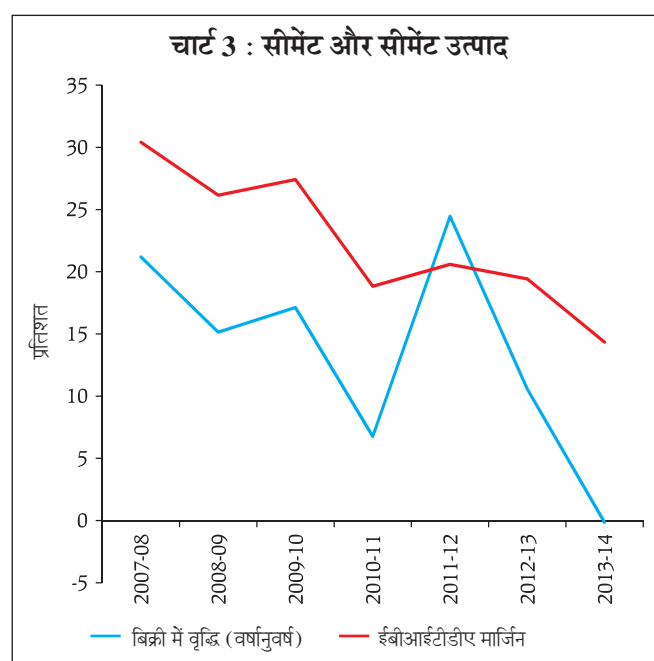
क्षेत्र अवधि	विनिर्माण					सेवाएँ (आईटी को छोड़कर)					आईटी				
	बिक्री में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	निवल लाभ में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत)	निवल लाभ मार्जिन (प्रतिशत)	बिक्री में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	निवल लाभ में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत)	निवल लाभ मार्जिन (प्रतिशत)	बिक्री में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	निवल लाभ में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत)	निवल लाभ मार्जिन (प्रतिशत)
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
2007-08	17.7	18.4	19.2	15.9	9.7	28.0	39.4	43.7	22.8	13.1	26.0	17.5	24.3	20.7	17.8
2008-09	16.3	-4.1	-25.6	13.5	6.6	12.2	-8.2	-22.0	20.9	10.7	18.1	17.9	2.7	20.6	15.5
2009-10	13.3	33.9	45.2	16.1	8.6	3.7	0.0	-19.8	18.0	8.2	5.0	19.1	19.1	23.4	17.8
2010-11	23.0	11.9	20.6	14.4	8.3	7.1	9.3	3.4	17.7	7.8	15.0	11.4	12.5	22.2	16.7
2011-12	19.5	0.1	-21.7	11.9	5.5	14.3	-0.7	-42.2	16.1	3.7	18.6	14.9	23.3	21.6	17.5
2012-13	9.4	3.1	3.6	11.3	5.4	10.7	6.0	-29.6	16.0	2.7	11.3	17.0	7.1	22.5	16.8
2013-14	4.3	-0.2	-7.5	10.9	4.9	1.9	-4.5	-33.5	15.0	3.6	17.0	28.6	25.8	25.5	19.1

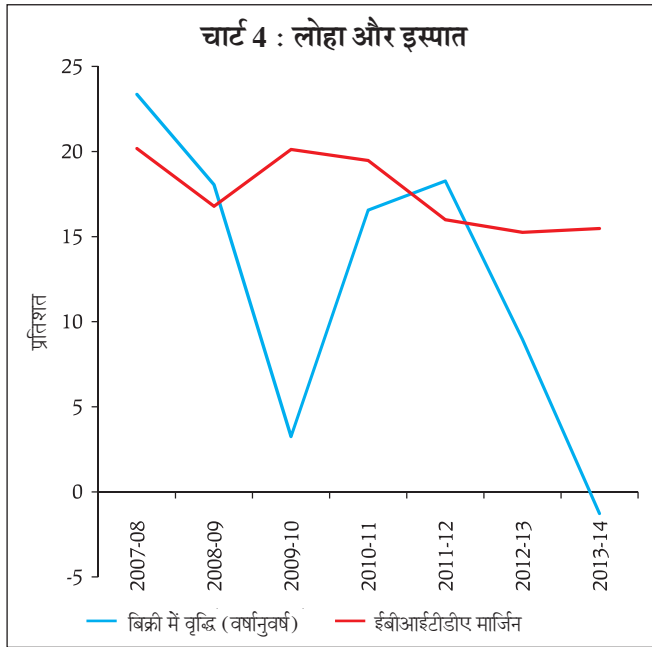
सारणी 6 : बिक्री के प्रतिशत के रूप में कच्चे माल की लागत, स्टाफ लागत और ब्याज

अवधि	सीआरएम	स्टाफ लागत	ब्याज	सीआरएम	स्टाफ लागत	ब्याज	सीआरएम	स्टाफ लागत	ब्याज	सीआरएम	स्टाफ लागत	ब्याज
	बड़ी			मध्यम			छोटी			सभी कंपनियाँ		
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
विनिर्माण												
2007-08	55.0	4.3	1.8	55.9	5.8	3.3	54.6	7.1	4.2	55.2	4.7	2.2
2008-09	55.4	4.1	2.6	56.3	6.0	4.0	50.5	7.8	5.3	55.5	4.6	2.9
2009-10	56.4	4.1	2.2	53.9	6.3	3.5	50.4	8.2	5.0	55.8	4.6	2.5
2010-11	58.9	4.0	2.0	55.4	6.4	3.5	49.5	8.0	3.9	58.1	4.5	2.3
2011-12	62.5	3.8	2.5	56.0	6.6	4.2	51.1	9.4	5.0	61.4	4.3	2.8
2012-13	61.5	4.0	2.8	56.4	7.0	4.3	51.7	9.4	6.4	60.7	4.5	3.1
2013-14	60.4	4.2	2.7	56.3	7.0	4.7	50.2	9.8	9.7	59.7	4.7	3.1
सेवाएँ आईटी को छोड़कर												
2007-08	10.3	5.9	2.8	14.3	7.2	4.2	14.4	8.5	4.2	11.3	6.3	3.2
2008-09	15.7	5.2	5.0	15.7	9.6	5.3	18.0	10.7	6.8	15.8	6.2	5.1
2009-10	18.8	5.2	3.1	14.1	9.6	5.0	14.8	11.9	7.5	17.8	6.2	3.6
2010-11	18.7	5.3	4.3	10.1	10.1	6.7	19.6	10.5	7.5	17.3	6.2	4.7
2011-12	7.8	5.3	5.1	8.2	10.0	11.2	15.1	10.3	6.6	8.0	6.3	6.2
2012-13	6.8	4.6	4.7	9.4	10.9	14.9	20.6	10.8	6.3	7.6	5.9	6.6
2013-14	5.4	4.9	4.1	10.3	11.4	11.6	16.1	11.0	11.6	6.5	6.1	5.5
आईटी												
2007-08	4.7	33.9	0.5	6.5	30.8	1.9	12.8	24.8	2.1	5.2	33.1	0.7
2008-09	5.2	32.4	1.0	4.7	30.9	2.5	12.0	26.1	3.5	5.3	32.0	1.3
2009-10	4.8	31.4	0.6	4.9	34.6	2.9	12.2	21.7	3.6	5.0	31.5	1.0
2010-11	4.2	34.8	0.7	4.1	34.0	2.4	15.5	24.3	7.0	4.4	34.5	1.0
2011-12	3.3	36.6	1.0	7.9	35.5	4.2	15.2	31.6	9.1	4.0	36.4	1.5
2012-13	2.0	39.4	0.8	7.6	36.2	6.0	10.5	33.5	9.2	2.7	39.0	1.5
2013-14	1.3	38.4	0.5	2.1	41.2	7.2	17.3	28.4	18.7	1.6	38.5	1.2
सभी कंपनियाँ												
2007-08	42.2	7.2	1.9	46.3	7.4	3.4	43.4	8.8	4.3	43.2	7.3	2.3
2008-09	42.7	6.9	2.8	47.1	7.9	4.2	41.3	9.9	5.4	43.6	7.2	3.1
2009-10	45.0	6.7	2.4	45.8	8.1	3.9	41.7	9.9	5.2	45.0	7.0	2.7
2010-11	46.7	6.7	2.4	46.3	8.4	3.9	41.4	10.0	5.2	46.5	7.0	2.7
2011-12	49.6	6.6	3.0	46.5	8.8	5.2	41.3	11.4	6.2	49.0	7.0	3.4
2012-13	48.6	6.9	3.4	46.4	9.1	6.0	42.0	11.7	7.2	48.2	7.2	3.8
2013-14	47.3	7.3	3.2	46.9	9.0	6.1	39.6	11.7	11.3	47.1	7.6	3.7

बिक्री छोटी कंपनियों के लिए एक बिलियन रुपये से कम; मध्यम कंपनियों के लिए 1 बिलियन रुपये से 10 बिलियन रुपये के बीच तथा बड़ी कंपनियों के लिए 10 बिलियन रुपये से अधिक।

4.2 आधारभूत वस्तुओं के क्षेत्र में दो प्रमुख उद्योग यथा, सीमेंट एवं लोहा और इस्पात की बिक्री वृद्धि 2011-12 में क्रमशः 24.5 और 18.3 प्रतिशत के चरम तक पहुँचने के बाद तेजी से गिरकर 2013-14 में क्रमशः -0.1 और -1.3 पर नरम हुई। सीमेंट एवं लोहा और इस्पात उद्योग दोनों में ईबीआईटीडीए मार्जिन लगातार दो वर्षों के लिए जारी रही (चार्ट 3 और 4)। साथही, आकार-वार विश्लेषण से इन दोनों उद्योगों के छोटे और बड़े आकार वाली कंपनियों की बिक्री वृद्धि और लाभ मार्जिन में एक स्पष्ट अंतर का पता चलता है (सारणी 7)। जबकि छोटी सीमेंट कंपनियाँ फिर भी सकारात्मक लाभ मार्जिन दर्ज कर सकी, लोहा और इस्पात उद्योग में छोटी कंपनियों को 2013-14 में परिचालनात्मक (ईबीआईटीडीए) तथा निवल (निवल लाभ) स्तरों पर हानि के साथ-साथ बहुत ही तीव्र बिक्री संकुचन सहन करना पड़ा। उपलब्ध नकद प्रवाह विवरणों के आधार पर यह पाया गया है कि लोहा और इस्पात





निम्नतर निवेश दर्शाया तथा 2013-14 में माल-सूची में भी कमी दर्शाई।

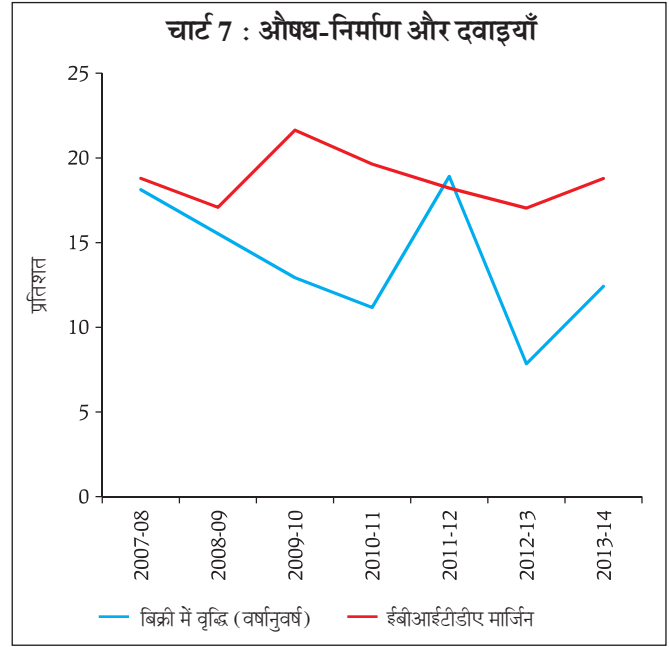
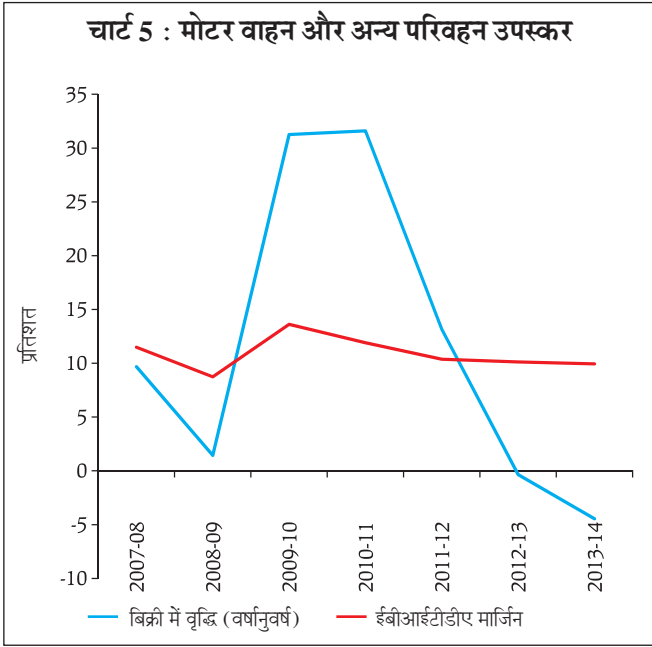
4.3 उपभोक्ता वस्तु क्षेत्र में मोटर वाहन उद्योग ने 2011-12 में बिक्री वृद्धि में भारी गिरावट का सामना किया तथा उसके बाद 2012-13 और 2013-14 में आगे और संकुचन हुआ (चार्ट 5)। वस्त्र उद्योग ने भी बड़े और छोटे आकार वाली कंपनियों के बीच उल्लेखनीय अंतरों के साथ लगातार तीन वर्षों के लिए (चार्ट 6) बिक्री वृद्धि में गिरावट देखी (सारणी 7)। औषध-निर्माण तथा दवाई उद्योग की बिक्री वृद्धि केवल बड़े आकार वाली कंपनियों के संबंध में संकलित स्तर पर 2013-14 में उर्ध्वमुखी प्रवृत्ति की रही। वर्ष 2013-14 के दौरान छोटे और मध्यम आकार कंपनियों की बिक्री वृद्धि में गिरावट आई (सारणी 7)। उपभोक्ता वस्तु क्षेत्र में निवल लाभ मार्जिन ने वस्त्र उद्योग को छोड़कर एक सीमांत सुधार दर्शाया। सूती वस्त्र उद्योग की छोटी कंपनियों का लाभ मार्जिन वर्ष 2012-13 और 2013-14 दोनों वर्षों में लगातार ऋणात्मक रहा है। प्रमुख उद्योगों में मोटर वाहन उद्योग में 2013-14 की

उद्योग ने ज्यादा राशि में निवेश किया और साथही 2013-14 में माल-सूची में और इजाफा किया। दूसरी ओर, सीमेंट उद्योग ने

सारणी 7 : चयनित उद्योगों के महत्वपूर्ण कार्यनिष्पादन मानदंड

उद्योग	अवधि	बड़ी			मध्यम			छोटी			सभी कंपनियाँ		
		बिक्री में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत)	निवल मार्जिन (प्रतिशत)	बिक्री में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत)	निवल मार्जिन (प्रतिशत)	बिक्री में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत)	निवल मार्जिन (प्रतिशत)	बिक्री में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत)	निवल मार्जिन (प्रतिशत)
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सीमेंट और सीमेंट उत्पाद	2012-13	9.3	11.5	5.9	-5.4	11.1	-5.3	10.6	19.4	10.2	10.8	20.3	10.7
	2013-14	-6.3	6.4	-0.5	-14.8	5.6	1.2	-0.1	14.4	6.9	0.6	15.3	7.7
निर्माण	2012-13	-3.0	12.9	2.1	-16.1	13.3	5.0	4.3	12.5	4.1	5.1	12.5	4.3
	2013-14	-12.1	11.4	1.1	-23.6	16.4	6.6	0.1	11.6	2.7	1.9	11.5	2.8
लोहा और इस्पात	2012-13	-1.7	5.9	-0.6	-11.9	3.6	-4.1	9.0	15.2	4.3	10.9	16.7	5.1
	2013-14	-14.4	2.9	-3.7	-31.5	-0.9	-39.6	-1.3	15.5	2.7	2.0	17.9	4.2
मोटर वाहन और अन्य परिवहन उपस्कर	2012-13	-4.9	9.2	3.1	-0.1	4.0	3.9	-0.4	10.1	5.4	0.2	10.3	5.7
	2013-14	-4.4	8.3	2.6	-8.9	1.0	-5.9	-4.5	9.9	5.6	-4.4	10.2	6.0
औषध-निर्माण और दवाइयाँ	2012-13	9.2	13.3	5.7	-2.7	5.9	-1.9	7.8	17.0	10.1	7.7	18.5	11.8
	2013-14	8.0	13.8	4.4	-8.4	5.3	-0.6	12.4	18.8	11.2	14.2	20.4	13.3
वस्त्र	2012-13	4.6	8.8	-0.1	-8.9	2.5	-9.5	11.2	12.4	2.1	15.7	14.5	3.7
	2013-14	11.5	8.8	0.3	-3.9	0.7	-14.8	8.1	11.7	1.8	7.1	13.7	3.3
मशीनरी ^	2012-13	-3.9	9.1	5.1	-2.1	4.4	-6.8	3.6	8.4	3.4	5.7	8.3	3.2
	2013-14	-2.4	7.4	0.1	-14.1	7.2	0.6	0.5	9.1	4.8	1.5	9.6	6.0

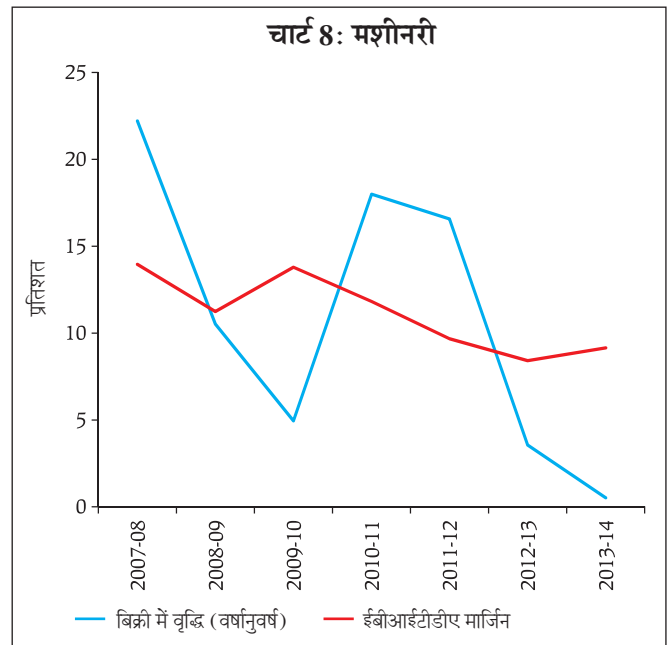
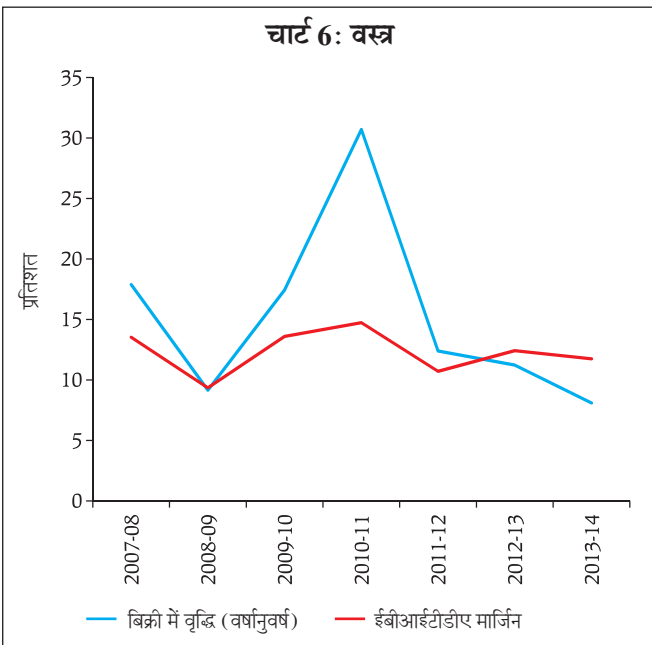
^ : इसमें मशीनरी और मशीन औजार तथा इलेक्ट्रिकल मशीनरी और उपकरण शामिल हैं। बिक्री छोटी कंपनियों के लिए 1 बिलियन रुपये से कम; मध्यम कंपनियों के लिए 1 बिलियन रुपये से 10 बिलियन रुपये के बीच तथा बड़ी कंपनियों के लिए 10 बिलियन रुपये से अधिक।

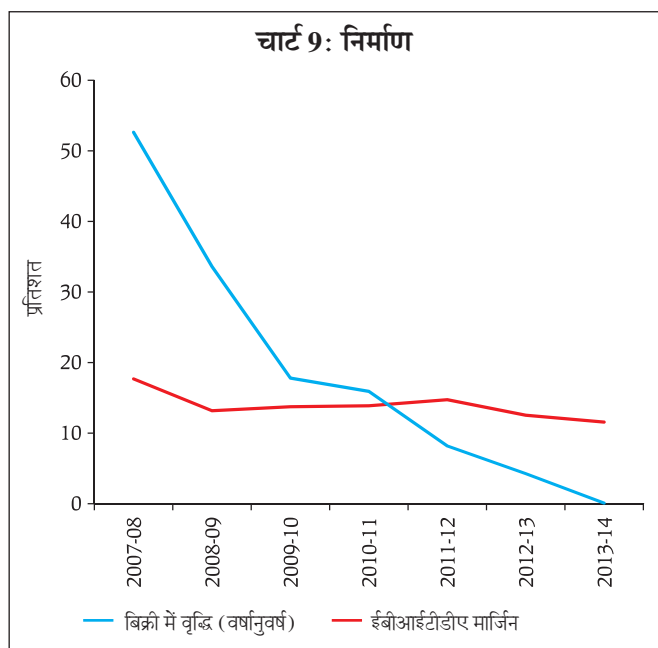


उसी अवधि के परिचालन लाभ (ईबीआईटीडीए) की तुलना में परिचालन से काफी अच्छा नकदी प्रवाह हुआ है क्योंकि 2013-14 में इन्वेंट्री का स्तर कम किया गया था तथा कारोबार में देय राशियां अधिक थीं ।

4.4 पूंजीगत माल के क्षेत्र में, जिसे विकास का वाहन माना जाता है उसके दो प्रमुख उद्योग अर्थात् निर्माण और मशीनरी उद्योग में तीन

वर्ष से बिक्री में वृद्धि घट रही है । मशीनरी उद्योग में वर्ष 2013-14 में ईबीआईटीडीए और निवल लाभ मार्जिन में मामूली सी वृद्धि हुई है (चार्ट 8 व 9) । वर्ष 2011-12 से अभी तक निर्माण उद्योग संकट से उबर नहीं पाया है, केवल इस उद्योग की छोटी कंपनियों को छोड़कर जिनमें 2013-14 में बिक्री में तीव्र गिरावट के बावजूद ईबीआईटीडीए और निवल लाभ मार्जिन में सुधार दिखाई दिया है (सारणी 7) ।





निर्माण उद्योग में इन्वेंट्री स्तर में लगातार वृद्धि के साथ निवेश में गिरावट हुई है और परिचालन से जो नकदी प्रवाह प्राप्त हुआ है वह सभी प्रमुख उद्योगों की तुलना में सबसे कम था, हालांकि वर्ष 2013-14 में उसमें कुछ हद तक सुधार हो गया था।

5. तिमाही आधार पर, बिक्री वृद्धि में गिरावट ज्यों की त्यों बनी रही, लाभ-मार्जिन स्थिर रहा

5.1 कई तिमाहियों में 2291 सूचीबद्ध निजी गैर-वित्तीय कंपनियों के निष्पादन के साधारण नमूने के विश्लेषण से पता चलता है कि 2013-14 की पहली तिमाही तक बिक्री वृद्धि में समान रूप से गिरावट जारी थी, किंतु उसके बाद 2013-14 की दूसरी तिमाही में वृद्धि ऊपर की ओर उठ गई। बाद में, बिक्री वृद्धि तीसरी तिमाही में घट गई, चौथी तिमाही में सपाट बनी रही (सारणी 8)। 2013-14 की पहली तिमाही में मामूली से सुधार के बाद 2013-14 की दूसरी तिमाही में ईबीआईटीडीए में गिरावट आ गई, जिसके बाद वृद्धि दर में लगातार तीन तिमाहियों तक गिरावट बनी रही। तीसरी तिमाही में स्थिति में सुधार हुआ, लेकिन चौथी तिमाही में वापस गिरावट आ गई।

5.2 ब्याज संबंधी व्यय में वृद्धि दर धीरे-धीरे कम हो गई और 2013-14 की दूसरी तिमाही में इसमें वृद्धि दिखाई दी। किंतु, एक बार फिर बाद की तीसरी तिमाही में उसमें गिरावट आई और चौथी तिमाही में बढ़ोतरी दिखाई दी। अन्य आय में एक के बाद एक तिमाहियों में विभिन्न मात्रा में उतार-चढ़ाव का दौर दिखाई दिया था।

सारणी 8 : तिमाहियों में चयनित कंपनियों का कार्यनिष्पादन - 2012-13 और 2013-14

मद	2012-13				2013-14			
	ति1	ति2	ति3	ति4	ति1	ति2	ति3	ति4
	1	2	3	4	5	6	7	8
कंपनियों की संख्या	2,291							
प्रतिशत में वर्षानुवर्ष वृद्धि दर								
बिक्री	14.3	12.3	10.0	4.8	3.3	7.8	5.5	5.5
व्यय	16.7	13.2	8.6	5.6	2.8	8.0	3.8	5.7
परिचालन लाभ (ईबीआईटीडीए)	-2.4	11.7	8.9	0.2	2.6	-0.4	7.5	6.6
अन्य आय	32.9	51.9	1.0	3.3	26.7	-2.9	25.5	17.3
मूल्यहास	10.4	10.3	10.4	8.6	9.1	12.0	7.9	8.4
सकल लाभ (ईबीआईटी)	-1.0	19.4	7.0	-1.3	5.2	-4.3	10.5	8.3
ब्याज	40.1	12.3	18.0	11.3	11.5	22.2	10.2	11.9
निवल लाभ	-11.1	22.7	20.5	-13.4	-9.2	-22.4	9.9	19.5
प्रतिशत में अनुपात								
ईबीआईटीडीए मार्जिन	13.0	13.3	12.8	12.8	12.9	12.4	13.2	13.0
ईबीआईटी मार्जिन	11.6	12.8	11.3	11.9	11.9	11.4	12.0	12.3
निवल लाभ मार्जिन	6.1	7.2	5.6	6.0	5.3	5.2	5.9	6.8
बिक्री के प्रति ब्याज	3.7	3.4	3.6	3.5	4.0	3.8	3.8	3.7
ईबीआईटी के प्रति ब्याज	31.7	26.3	32.1	29.0	33.5	33.7	31.7	30.0
ब्याज व्याप्ति (कितनी बार)	3.2	3.8	3.1	3.4	3.0	3.0	3.2	3.3

5.3 निवल लाभ वर्ष 2012-13 की चौथी तिमाही से लेकर 2013-14 की दूसरी तिमाही तक घटता गया, जिसमें 2013-14 की तीसरी तिमाही में 99.9 प्रतिशत की धनात्मक वृद्धि हुई और चौथी तिमाही में 19.5 प्रतिशत का सुधार हुआ। चौथी तिमाही में कर के लिए कम प्रावधान होने से, चौथी तिमाही में निवल लाभ वृद्धि में और अधिक सुधार हो गया, बावजूद इसके कि ईबीआईटीडीए (परिचालनगत लाभ) और ईबीआईटी (सकल लाभ) में वृद्धि बहुत धीमी थी। हाल की तिमाहियों में ब्याज-कवरेज अनुपात में सुधार हुआ है। 2013-14 की चौथी तिमाही में ईबीआईटीडीए

मार्जिन 2012-13 की पहली तिमाही के मार्जिन स्तर के समान था, जिसमें आठ तिमाही की अवधि में जो उतार-चढ़ाव हुए वे एक निश्चित सीमा के भीतर थे। पिछली दो तिमाहियों में निवल लाभ मार्जिन भी सुधार दिखाई दिया है।

5.4 2014-15 की पहली तिमाही के संबंध में अब तक उपलब्ध सीमित परिणामों से पता चलता है कि बिक्री वृद्धि में सुधार हुआ है, ईबीआईटीडीए और निवल लाभ बढ़े हैं और मुनाफे की स्थिति बेहतर हो गयी है।

अनुबंध

व्याख्यात्मक टिप्पणी

1. किसी भी अवधि में वृद्धि दर की गणना के लिए एक जैसी कंपनियों के वर्तमान एवं पिछले सेट पर विचार किया जाता है।
2. उद्योगों और क्षेत्रों का वर्गीकरण मोटे तौर पर राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण (एनआईसी) के अनुसार किया जाता है।
3. विनिर्माण क्षेत्र में शामिल उद्योग हैं - लोहा और इस्पात, सीमेंट और सीमेंट उत्पाद, मशीनरी और मशीन टूल्स, मोटर वाहन, रबड़, कागज, खाद्यान्न उत्पाद आदि। इसमें 'चाय बागान' और 'खनन एवं उत्खनन' उद्योग शामिल नहीं हैं। सेवा में (आईटी को छोड़कर) स्थावर संपदा, थोक बिक्री और खुदरा व्यापार, होटल और रेस्तरां, परिवहन, भंडारण और संचार उद्योग शामिल हैं। इसमें निर्माण और बिजली उत्पादन तथा आपूर्ति उद्योग शामिल नहीं हैं।
4. विदेशी मुद्रा संबंधी लाभ एवं हानि की जानकारी कंपनियों द्वारा निवल आधार पर दी जाती है और निवल लाभ की गणना में शामिल किया जाता है। जहां निवल विदेशी मुद्रा की हानि को व्यय का हिस्सा माना जाता है और ईबीआईटीडीए में शामिल किया जाता है, वहीं निवल विदेशी मुद्रा के लाभ को अन्य आय का हिस्सा माना जाता है और उसे ईबीआईटी में शामिल किया जाता है।
5. अन्य आय में शामिल हैं - विभिन्न प्रकार की नियमित आय जैसे किराया, लाभांश, रायल्टी आदि और इसमें असाधारण आय/व्यय को शामिल नहीं किया जाता है।
6. असाधारण आय/व्यय को ईबीटी और लाभ में शामिल किया जाता है। जैसाकि शीर्षक से स्पष्ट है कि कुछ कंपनियों में किन्हीं खास तिमाहियों में इन आय/व्यय की संख्या बहुत अधिक होती है।
7. कुछ कंपनियां ब्याज को निवल आधार पर रिपोर्ट करती हैं। लेकिन कुछ कंपनियां ब्याज व्यय को सकल आधार पर गणना करती हैं, जिसके अंतर्गत प्राप्त ब्याज को अन्य आय में दिखाया जाता है।
8. अनुपात/वृद्धि दर जिसका भाजक ऋणात्मक या शून्य होता है उसे गणना में नहीं लिया जाता है और उसे '\$' के रूप में प्रदर्शित किया जाता है।

शब्दावली

ईबीआईटीडीए	- परिचालनगत लाभ/ब्याज, कर, मूल्यांकन और परिशोधन से पूर्व आमदनी	- बिक्री + स्टॉक में परिवर्तन - व्यय
ईबीआईटी	- सकल लाभ/ब्याज और कर से पूर्व आमदनी	- ईबीआईटीडीए + अन्य आय - मूल्यांकन एवं परिशोधन
ईबीटी	- कर से पूर्व आमदनी	- ईबीआईटी - ब्याज भुगतान + असाधारण आय/व्यय
निवल लाभ	-	- ईबीटी - कर
ब्याज भार	-	- ब्याज भुगतान / ईबीआईटी * 100
ब्याज कवरेज	-	- ईबीआईटी / ब्याज भुगतान